राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाई कोर्ट चतुर्थ श्रेणी

कर्मचारी भर्ती परीक्षा 2026

Class - 6

राजस्थानी

कहावतें & लोकोक्तियाँ

राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी Exam 2026

निशुल्क नोट्स

Whatsapp Group

8107670333

नाम व जिले का नाम लिखकर मेसेज करे

- Click Here

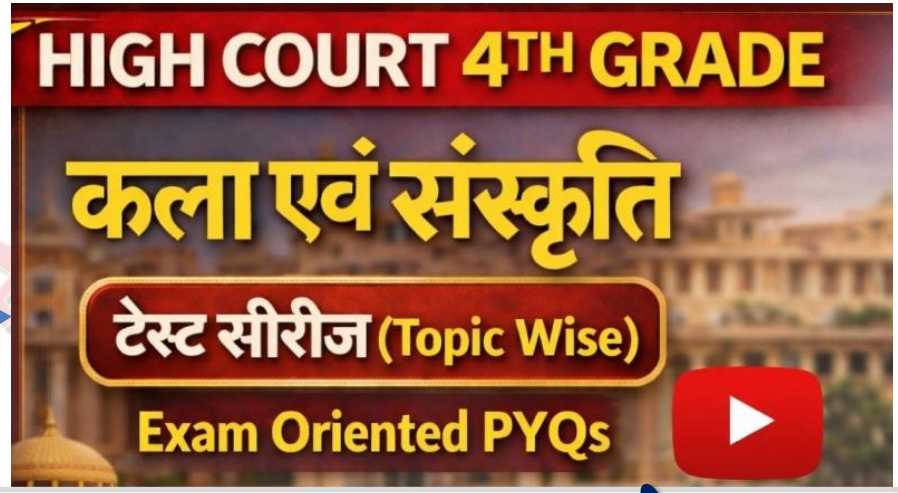

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज

- भाणरै घर भाई अर सासरै जंवाई - बहिन के घर भाई और ससुराल में दामाद का रहना समान है।
- तूं डाल-डाल म्हें पान-पान। विरोधी से ज्यादा सक्षम होना।
- भींत नैं खोवै आळा घर नैं खावै साळा - दीवार को आले (अलमारी) कमजोर
- करते हैं, घर को साला खराब करता है।
- भींतां रै भी कान हुया करै - दीवारों के भी कान होते हैं।
- भिसे जका कुत्ता खावै कोनी - भौंकने वाले कुत्ते काटते नहीं।
- भूगळी में राख्यां ई कुत्तै री पूंछ टेढी री टेढी। - धूर्त व्यक्ति अच्छे व्यक्ति की संगत में आने पर भी धूर्तता नहीं छोड़ता है।

- तेली रौं बळद सो कोस चालै तो ई वटै रौं वठै - कार्य बहुत धीमी गति से होना।
- थारा कांटा तनैं ई भागैला- बुरा करने पर स्वयं का भी बुरा ही होता हैं।
- भूखां मरतां नैं राब सीरै जिसी लागै - भूखे व्यक्ति को राबड़ी भी हलुवे जैसी लगती हैं।
- थावर कीजे थरपना बुध कीजे बोपार- शनिवार की स्थापना और बुधवार को व्यापार करना शुभ माना जाता हैं।

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

- थोथो चिणो बाजै घणो- कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति अधिक वाचाल होता है।
- दगाबाज दूंगी नवै, चीतो, चोर कबाण - धोखेबाज, चीता, चोर और धनुष जितने अधिक झुकते हैं, उतने ही ज्यादा घातक होते हैं।
- दांत हा जद चिणां कोनी, चिणां है जद दांत कोनी - खाने की क्षमता थी तब खाने को नहीं था, अब खाने को है तो खाने की क्षमता नहीं रही।
- दाई सूं पेट थोड़ो ई छानो रैवै - दाई से पेट छुपा हुआ नहीं रहता।
- दाणै-दाणै पर म्होर छाप - दाने-दाने पर लिखा है खाने वाले का नाम।
- दान री बाछी रा दांत कोनी गिणीजै। दान की बछिया के दाँत नहीं गिने जाते।

- सदा न जुग में जीवणा, सदा न काला केस – जीवन मे कुछ भी स्थायी नहीं हैं!
- घणी सूधी छिपकली चुग चुग जिनावर खाय - ऊपर से सीधा दिखाई देने वाला अधिक सीधा भी नही होता ।
- घणा मीठा में कीड़ा पड़े - अति प्रेम में अन्त में कभी-कभी कटुता बढ़ती देखी
- घी खाणू तो पगड़ी राख कर खाणूं - आपको मान-सम्मान चाहिए तो पहले खुद दूसरों का मान-सम्मान करना सीखो।
- घी ढुल्यो तो ई मूंगा रे माय – अभी भी कुछ अधिक हानि नहीं हुई हैं !
- घर में कोन्या तेल न तांई, रांड मरै गुलगळा तांई - हैसियत न होते हुए भी दूसरों की देखादेखी करना।

- सिर चढ़ाई गादड़ी गाँव ई फूँकै लागी -दुर्जन को जब मुँह लगा लिया जाता है तो वह अनिष्ट करने लगता है।
- चार दिना री चानणी, फेर अंधेरी रात - वैभव क्षण भंगुर है।
- हारयो जुवारी दूणू खेलै - हारा हुआ जुआरी दुगुना खेलता है।
- चोखो करगो, नाम धरगो -गुणी व्यक्ति के गुणों की पूछ होती है।

राजस्थान क्लासेज

- तिल देखो तिलां री धार देखो - वक्त की नजाकत को देखकर कार्य करो। कुछ अनुभव हासिल करो।
- तिलां री परख तो तेली ई जांणें - गुणवान की पहचान समझदार ही कर सकता है।
- तिस लाग्यां कूवो थोड़ोई खुदै - प्यास लगने पर कुआँ थोड़े ही खोदा जा सकता है।
- तीज तिंवारा बावड़ी ले डूबी गणगौर- श्रावक शुक्ला तृतीया से त्यौंहार प्रारम्भ होते हैं और चैत्र शुक्ला तृतीया गणगौर के साथ समापन हो जाता है।

- गधेड़ो कुरड़ी पर रंजें - बुरे मनुष्य की तृप्ति बुरे स्थान पर ही होती हैं।
- गाँव करैं सो खरी- सबका एक विचार होना
- गुड़ देतां मरे, बीनैं सैंर क्यूं देणूं - मीठे बोलने से काम चले, वहाँ कटु क्यों बोला जाय।
- *लूण फूट-फूट कर निकलैं - जो नमक हराम होता है, उसे बुरा फल मिलता हैं।
- गीत में गाण जोगो ना, रोज में रोवण जोगो ना - सब तरहं से निकम्मापन ।
- गाडा नैं देख कर पाड़ा का पग सूजगा - संकट को देखकर राजा के भी पैंर सूज गये।

RAJASTHAN CLASSES राजस्थान क्लासेज

- खारी बेल की खारी तूमड़ी - वंशानुगत स्वभाव नहीं छूटता।
- गढ़ा कै गढ़ ही जाया - बड़ों के बड़े ही पैदा होते हैं।
- गई भू गयो काम, आई भू आयो काम - काम किसी के भरोसे नहीं रूकता।
- गंगा तूतिये में कोनी नावड़ै -बड़े काम को करने में समय लगता है।
- लागै जठै पीड़ - आत्मीय के अहित होने पर आत्मीय को ही दुःख होता है।
- लंका में किसा दाळदी कोनी बसै - लंका में क्या दरिद्र नहीं रहते।
- गोद को छोरो, राखणूं दोरो - अपनो को दूर रखना मुश्किल होता है।
- गैली रांड का गैला पूत – बुरे लोगो के बुरे ही जन्मते है
- गुण गैल पूजा - गुणों के अनुसार प्रतिष्ठा होती है।

- तवैरी काची नैं सासरै री भाजी नैं कठैई ठोर कोनी। तवे से कच्ची रोटी और ससुराल से भागी हुई स्त्री को कहीं जगह नहीं है।
- तावड़े में बैठ र धोळा कोनी करया। धूप में बैठ कर बाल सफेद नहीं किये। अर्थात बहुत अनुभवी होना।
- तरवार रो घाव भरज्या पण बोली रो घाव कोनी भरै - तलवार का घाव भर जाता है लेकिन कड़वे बोल का घाव नहीं भरता।
- तिरिया तेल हमीर हठ चढे नैं दूजी वार - तेल चढ़ी हुई लड़की का विवाह, हमीर हठ ये एक बार ही होते हैं दूसरी बार नहीं होते।

राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Exam 2026

निशुल्क नोट्स

Whatsapp Group

8107670333

नाम व जिले का नाम लिखकर मेसेज करे

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

- Click Here

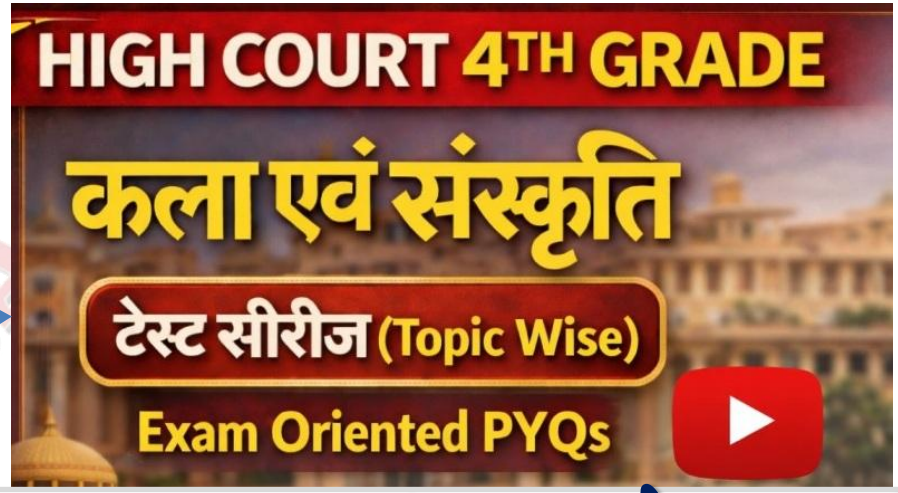

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज